



---

प्रेस विज्ञप्ति / Press Release

2 मार्च / March, 2021

---

सिडबी और एनएसई ने एमएसएमई हेतु चलाई जा रही विविध पहलों में सहयोग के लिए गठबंध किया; एमएसएमई के लिए एक ऋण पूंजी बाजार मंच की व्यवहार्यता की तलाश

**SIDBI and NSE joins hands for co-operation in various ongoing MSME related initiatives; Exploring the feasibility of a debt capital market platform for MSMEs**

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास में संलग्न एक प्रमुख वित्तीय संस्था, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के साथ, दोनों संस्थाओं द्वारा एमएसएमई के लिए चलाई जा रही विविध पहलों में परस्पर सहयोग के लिए तथा एमएसएमई के लिए एक ऋण पूंजी बाजार मंच की व्यवहार्यता की तलाश के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) निष्पादित किया है।

Small Industries Development Bank of India (SIDBI), the principal financial institution engaged in the promotion, financing and development of Micro, Small & Medium Enterprises (MSMEs) has signed a Memorandum of Understanding (MoU) with National Stock Exchange (NSE) for co-operation in various ongoing MSME related initiatives of the two institutions and also exploring the feasibility of a debt capital market platform for MSMEs.

समझौता ज्ञापन पर बात करते हुए, सिडबी के उप प्रबंध निदेशक, श्री वी. सत्य वेंकट राव ने कहा, "देश में काफी बड़े और विविधीकृत एमएसएमई क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए और इस क्षेत्र के लाभ के लिए विभिन्न संस्थाओं के बीच आपसी समन्वय और सहयोग किए जाने की निरंतर आवश्यकता है। दोनों ही संस्थान एमएसएमई के लिए कई कार्यक्रम चलाते हैं और इस सहयोग से इन कार्यक्रमों के प्रभाव और पहुंच को बढ़ाने में मदद मिलेगी।"

Speaking on the MoU, Shri V. Satya Venkata Rao, Deputy Managing Director of SIDBI said, "Keeping in view the very large and diversified MSME sector in the country, there is a continuous need for various institutions to co-ordinate and co-operate with each other for the benefit of the MSME sector. Both the institutions run several programs for MSMEs, and the co-operation will help increase the impact and reach of these programs."

श्री राव ने यह भी उल्लेख किया कि श्री यू.के. सिन्हा की अध्यक्षता में एमएसएमई पर गठित विशेषज्ञता समिति ने एमएसएमई क्षेत्र के लिए कई सिफारिशों की हैं, जिनमें ऋण और इक्विटी के लिए अतिरिक्त लिखतों को विकसित करने की आवश्यकता भी शामिल है, जो एमएसएमई के लिए निधि जुटाने के नए स्रोतों को सृजित करने में मददगार होंगे और इस संबंध में सिडबी; एनएसई के साथ संयुक्त रूप से काम करने के लिए तत्पर है ताकि इस क्षेत्र की असेवित जरूरतों के लिए एक ऋण मंच की व्यवहार्यता की तलाश की जा सके।

Shri Rao also mentioned that expert committee on MSMEs, headed by Shri U. K. Sinha has made several recommendations for the MSME sector including a need to develop additional instruments for debt and equity which will help crystallize new sources of funding for MSMEs and in this regard, SIDBI will look forward to jointly work with NSE to explore feasibility of a debt platform for unmet needs of the sector.

एनएसई के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री विक्रम लिमये ने कहा, “एनएसई ने हमेशा भारतीय उद्योग और निवेशकों के लाभ के लिए नवोन्मेषिता और प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा दिया है। हम पहले से ही एमएसएमई क्षेत्र के लिए प्रतिबद्ध हैं और एसएमई एक्सचेंज एक बड़ी पहल है। एनएसई ने, लघु व्यवसायों द्वारा प्राप्य-राशियों की अभिप्राप्ति में अनुभव की जा रही समस्याओं के समाधान के लिए भारतीय रिसीवेबल एक्सचेंज लिमिटेड (आरएक्सआईएल) द्वारा चलाई गई ट्रेड रिसीवेबल्स डिस्काउंटिंग सिस्टम (ट्रेड्स) परियोजना पर, सिडबी के साथ मिलकर काम किया है। एमएसएमई के लिए एक ऋण पूंजी मंच की व्यवहार्यता की तलाश के लिए सिडबी के साथ काम करने में हमें खुशी होगी और बाजार के प्रतिसाद के आधार पर हम अगले चरणों की योजना बनाएंगे।”

MD & CEO of NSE, Shri Vikram Limaye said, “NSE has always fostered use of innovation and technology for the benefit of Indian industry and investors. We are already committed to the MSME sector and one of the major initiatives has been the SME Exchange and NSE has jointly worked with SIDBI on the Trade Receivables Discounting System (TReDS) project undertaken by Receivable Exchange of India Ltd (RXIL) to solve the receivable problems faced by small businesses. We will be happy to work with SIDBI for exploring the feasibility of a debt capital platform for MSMEs and based on the market feedback we will plan the next steps.”

**सिडबी के बारे में:** 1990 में अपने गठन के बाद से सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। सिडबी ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विभिन्न ऋण और विकासात्मक उपायों के माध्यम से सूक्ष्म और लघु उद्यमियों (एमएसई) के जीवन को छुआ है, चाहे ये पारंपरिक व घरेलू छोटे उद्यमी हों; उद्यमिता पिरामिड के निम्नतम स्तर के उद्यमी हों अथवा उच्चतम स्तर के ज्ञान-आधारित उद्यमी हों। सिडबी 2.0 अपने साथ समावेशी, अभिनव और प्रभाव-उन्मुख संबद्धताओं की दृष्टि को लेकर चल रहा है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट <https://www.sidbi.in> पर जाएँ।

**About SIDBI:** Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional, domestic small entrepreneurs, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, to high-end knowledge-based entrepreneurs, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of Micro and Small Enterprises (MSEs) through various credit and developmental engagements. SIDBI 2.0 carries the vision of inclusive, innovative and impact-oriented engagements.

To know more, check out: <https://www.sidbi.in>

**मीडिया संपर्क:** नीलाश्री बर्मन, मोबाइल: +91 8879760249, ई-मेल: [neelasrib@sidbi.in](mailto:neelasrib@sidbi.in)

**Media contact:** Neelasri Barman, Mobile: +91 8879760249, E-mail: [neelasrib@sidbi.in](mailto:neelasrib@sidbi.in)